सफलता की कहानी (उद्यान स्थापना)

नाम कृषक-श्री एम0आर0आजमी
ग्राम-ईसाईनगर,पो0ओ0-लामाचौड,हल्द्वानी।
जनपद-नैनीताल।

श्री एम0आर0आजमी पुत्र श्री एल0आर0आजमी एक प्रगतिशील उद्यानपति है। श्री आजमी का 3000 फलदार आम (दशहरी,लंगडा,चौसा)उद्यान है। उद्यान के साथ-2 राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड के सहयोग एवं उद्यान विभाग के मार्गदर्शन से कृषक ने 1.5 एकड में स्ट्राबरी, 1 एकड में फूलगोभी बीज उत्पादन, 1 एकड में मूली बीज उत्पादन,डेरी, मत्स्य पालन, वर्मी कम्पोस्ट तैयार करना आदि कार्य भी प्रारम्भ किये। जडी-बूटी में कालमेघ,सफेद मूसली का उत्पादन किया। उक्त सभी कार्यक्रम अपनाने एवं सफलता पूर्वक अपनाने एवं सफलता पूर्वक उत्पादन करने पर उत्तरांचल शासन द्वारा वर्ष 2004-05 का उद्यानविद् के पुरस्कार स्वरूप श्री आजमी को प्रमाण-पत्र, प्रतीक चिह्न एवं 20000/- की धनराशि देकर महामहिम राज्यपाल उत्तरांचल द्वारा पुरस्कृत किया गया। कृषक द्वारा 1.5 एकड में 5 कुन्तल मूल्य 2.5 लाख का स्ट्राबेरी उत्पादन किया जिस हेतु एन0एच0बी0 द्वारा रू0 80000/- की राजसहायता प्रदान की गई। इतनी ही धनराशि मैचिंग ग्राण्ट के रूप में उद्यान विभाग से प्रदान किये जाने की कार्यवाहीचल रही है। उद्यान तकनीकी मिशन के अन्तर्गत कृषक को 30x8x2.5 फिट का वर्मी कम्पोस्ट यूनिट का निर्माण कराया गया तथा इस यूनिट से उत्पादित कम्पोस्ट का उपयोग कृषक द्वारा अपने पुराने उद्यानों में नियमित रूप से किया जाने लगा है, विभाग द्वारा जीर्णोद्धार की तकनीकी जानकारी भी कृषक को दी गई जिससे उद्यान की दशा एवं आर्थिक रूप से उद्यानपति को लाभ प्राप्त हुआ है। इन्ही सभी सफलताओं का वैज्ञानिकों द्वारा आंकलन करके ही उद्यानपति को दिनांक 27.12.05 को हर्बल एक्सपो के दौरान देहरादून में पुरस्कृत किया गया है।

उद्यानविद् श्री एम0आर0आजमी महामहिम राज्यपाल,उत्तरांचल से पुरस्कार प्राप्त करते हुए।